सरकार ने फिर किया स्पष्ट, रोहिंग्या अवैध गतिविधियों में शामिल, वापस भेजे जाएंगे

नई दिल्ली-सरकार ने आज कहा कि म्यामां से भारत में आने वाले रोहिंग्या प्रवासियों के बारे में अवैध गतिविधियों में शामिल होने की सूचना मिली है और कुछ महीने पहले ही राज्यों को परामर्श जारी कर कहा गया कि इनकी गतिविधि पर नजर रखी जाए। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान अरविंद सावंत, रामस्वरूप शर्मा और सुगत बोस के पूरक प्रश्नों के उत्तर में गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल और असम राइफल्स को सजग किया गया है कि म्यामां से लगी सीमा से रोहिंग्या भारत में प्रवेश नहीं कर सकें।

उन्होंने कहा कि फरवरी, 2018 में राज्यों को जारी ताजा परामर्श में कहा गया कि वे अपने यहां मौजूद रोहिंग्या की गणना करें और उनको एक निश्चित क्षेत्र में सीमित रखें तथा उनकी गतिविधि पर भी नजर रखी जाए। सिंह ने कहा कि राज्य सरकारों से रोहिंग्या के बारे में रिपोर्ट मांगी गई है और रिपोर्ट मिल जाने के बाद हम इसे विदेश मंत्रालय को देंगे। इसके बाद विदेश मंत्रालय रोहिंग्या को म्यामां वापस भेजने के बारे में वहां की सरकार से बात करेगा। उन्होंने कहा कि कानूनी तौर पर राज्य भी अवैध प्रवासियों को उनके देश भेज सकते हैं।

इससे पहले, गृह राज्य मंत्री किरण रिजिजू ने एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि रोहिंग्या भारत में शरणार्थी नहीं हैं, बल्कि अवैध प्रवासी हैं। उन्होंने कहा कि कई जगहों से रोहिंग्या लोगों के अवैध गतिविधि में शामिल होने की सूचना मिली है, हालांकि इस बारे में खुलासा नहीं किया जा सकता। रिजिजू ने कहा कि राज्य ये सुनिश्चित करें कि रोहिंग्या प्रवासी किसी तरह का सरकारी दस्तावेज हासिल नहीं कर सकें। उन्होंने सबसे अधिक रोहिंग्या जम्मू-कश्मीर में हैं। इसके अलावा तेलंगाना, दिल्ली और हरियाणा में भी रोहिंग्या हैं। मंत्री ने कहा कि म्यामां में रखाइन प्रांत में राहत अभियान में भारत सरकार ने मदद की है।

बुआ-बबुआ से बेहतर है मैं मोदी-योगी के नाम की माला जपूं-अमर सिंह

नई दिल्ली-राज्यसभा सदस्य अमर सिंह ने आज समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर निशाना साधते हुए उन्हें ''जातिवादी'' करार दिया और कहा कि वह सपा-बसपा की बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का समर्थन करना पसंद करेंगे। सपा से निकाले जा चुके अमर ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब मोदी ने एक दिन पहले ही बयान दिया कि अमर सिंह ऐसे लोगों को जानते हैं जो पर्दे के पीछे उद्योगपतियों से मिलते हैं।

कल लखनऊ में परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री ने यह दावा करने के लिए विपक्ष पर हमला बोला था कि उन्हें उद्योगपतियों के साथ तस्वीरें खिंचवाना पसंद है। अमर उत्तर प्रदेश सरकार के कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने कहा, ''मैं समझदारी और संवेदनशीलता में यकीन रखता हूं.....उत्तर प्रदेश में कांग्रेस नहीं है। वह हाशिये पर है। सपा-बसपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।''

अमर ने कहा कि दोनों पार्टियां ''जातिवादी राजनीति'' की संकेतक हैं और उनका मानना है कि धर्मनिरपेक्षता का अर्थ सिर्फ एक समुदाय का तुष्टीकरण है। उन्होंने कहा, ''यह तो आपको तय करना है कि मोदी-योगी का समर्थन करना है या 'बबुआ-बुआ' का।'' अमर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिए 'बबुआ' शब्द का इस्तेमाल किया। अखिलेश बसपा सुप्रीमो मायावती को अक्सर 'बुआ' कहकर बुलाते हैं। सपा से राज्यसभा सदस्य रह चुके अमर सिंह को पिछले साल पार्टी ने निकाल दिया था।

काला धन मामले में चिदंबरम की पत्नी, बेटे और बहू को अदालत में पेश होने के निर्देश

चेन्नई-एक स्थानीय अदालत ने आज पूर्व केंद्रीय वित्त पी. चिदंबरम के परिवार के सदस्यों को निर्देश दिया कि वे काले धन के एक मामले में 20 अगस्त को अदालत के समक्ष पेश हों। मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (सीएमएम) एल. मलारवीजी ने चिदंबरम की पत्नी नलिनी, बेटे कार्ती, उनकी पत्नी श्रीनिधि को 20 अगस्त को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने के निर्देश दिए, क्योंकि वे पहले के निर्देश के मुताबिक आज अदालत में पेश नहीं हुए।

सीएमएम ने उनसे कहा कि वे अगले महीने अदालत में जरूर पेश हों। आयकर विभाग के मुताबिक, कार्ती ने ब्रिटेन के मेट्रो बैंक में अपने खाते और अमेरिका की नैनो होल्डिंग्स में किए गए निवेश का खुलासा नहीं किया था। विभाग ने कहा कि कार्ती ने अपने सह-स्वामित्व वाली कंपनी चेस ग्लोबल एडवाइजरी की ओर से किए गए निवेश का भी खुलासा नहीं किया था जो काला धन कानून के तहत अपराध है।

आयकर विभाग ने यह भी कहा कि तीनों ने ब्रिटेन के कैंब्रिज में अपनी 5.37 करोड़ रुपए की संपत्ति और अमेरिका में 3.28 करोड़ रुपए की संपत्ति भी नहीं घोषित की। विभाग ने काला धन (अघोषित विदेशी आय एवं संपत्तियां) एवं करारोपण कानून की धारा 50 के तहत उनके खिलाफ अभियोजन शुरू किया।

कांग्रेस आईटी सेल का सदस्य यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ़्तार

नई दिल्ली-कांग्रेस की आईटी सेल के एक सदस्य को उसकी एक पूर्व सहकर्मी के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आज बताया कि चिराग पटनायक पर इस महीने की शुरूआत में कांग्रेस की आईटी सेल की एक पूर्व सदस्य का यौन उत्पीड़न करने का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि पटनायक को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही साथ यह भी कहा जा रहा कि पीड़िता ने इस मामले को पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी से भी बताया था, लेकिन उन्होंने कोई सख्त कदम नहीं उठाया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस का सहारा लिया और मामला दर्ज कराया। अभी तक इस मामले में राहुल गांधी के टिप्पणी का सभी को इंतजार है। मामला सामने आने पर राजनीति भी तेज हो गई है। भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी ने कांग्रेस पर महिलाओं के शोषण का आरोप लगाते हुए दिल्ली पुलिस से अपील की कि वे इस मामले में छानबीन करे और कार्रवाई करें।

आरोपियों के खिलाफ मुकदमे के लिए मंजूरी हासिल करे CBI

नई दिल्ली-दिल्ली की एक अदालत ने एयरसेल-मैक्सिस मामले में कथित अनियमितताओं और आपराधिक षड्यंत्र के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति चिदंबरम के खिलाफ एक मामले में कुछ आरोपियों पर मुकदमा चलाने के लिए सक्षम प्राधिकार से मंजूरी हासिल करने के वास्ते आज सीबीआई को दो महीने का समय दिया। सीबीआई ने इस मामले में 19 जुलाई को कांग्रेस नेता, उनके बेटे कार्ति और सरकारी अधिकारियों तथा छह कंपनियों समेत दस के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था।

सीबीआई की ओर से पेश हुई वरिष्ठ अधिवक्ता सोनिया माथुर ने अदालत को बताया कि इस संबंध में मंजूरी का इंतजार है। इसके बाद विशेष सीबीआई न्यायाधीश ओ पी सैनी ने एजेंसी को दो महीने का समय दे दिया। अदालत ने कहा, ''मामले की सुनवाई एक अक्टूबर तक स्थगित की जाती है।'' माथुर ने अदालत को बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो को अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सक्षम प्राधिकार से करीब चार सप्ताह में मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि वर्ष 2006 में वित्त मंत्री ने एक विदेशी कंपनी को कैसे विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफआईपीबी) की मंजूरी दे दी जबकि इस संबंध में अनुमति देने का अधिकार सिर्फ आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति के पास है। सीबीआई की 3,500 करोड़ रुपये के एयरसेल-मैक्सिस सौदे और 305 करोड़ रुपये के आईएनएक्स मीडिया मामले की जांच में भी वरिष्ठ कांग्रेस नेता का नाम सामने आया है।

साध्वी प्राची ने गोरखनाथ मंदिर में पूजा कर राहुल गांधी के लिए बहू मांगी

गोरखपुर-हिन्दूवादी नेता साध्वी प्राची ने सावन के पहले सोमवार को कल गोरखनाथ मंदिर में पूजा करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को बहू मिलने की कामना की। साध्वी प्राची ने मंदिर में पूजा के बाद कहा, %%अगर उन्हें सरकार के लिये बहुमत न मिले तो राहुल गांधी को बहू मिल जाये।%% उन्होंने पत्रकारो से बातचीत में कहा कि %%मैं हमेशा बाबा गोरखनाथ का आशीर्वाद लेने आती हूं लेकिन इस बार में एक विशेष मनोकामना के साथ आई हूं। अगर राहुल गांधी को चुनाव में बहुमत न मिला और भारतीय जनता पार्टी की 2019 में फिर से सरकार बन जाती है तो मैंने बाबा से प्रार्थना की है कि अगर उन्हें बहुमत न मिले तो उन्हें बहू (दुल्हन) ही मिल जाये।%%

उल्लेखनीय है कि साध्वी प्राची अपने विवादित बयानों को लेकर अकसर विवादों में रहती हैं। उनके बयानों से भाजपा मुश्किलों में फंस जाती है और कई बार तो पार्टी को यह स्पष्टीकरण देना पड़ा है कि साध्वी प्राची पार्टी की सदस्य नहीं हैं।

NRC मामले पर बोले राहुल गांधी, संकट के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाए सरकार

नई दिल्ली-कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के मुद्दे पर आज केंद्र और राज्य सरकार पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि इस संकट के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए। इसके साथ ही गांधी ने कांग्रेस सदस्यों का आह्वान किया कि वे राज्य में शांति बनाए रखने में मदद करें और एनआरसी के संदर्भ में जिन लोगों के खिलाफ नाइंसाफी की गई है उनकी मदद करें चाहे उनका किसी भी धर्म, जाति, लिंग, भाषायी समूह या राजनीतिक जुड़ाव हो।

उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''संप्रग सरकार और मनमोहन सिंह जी के तहत एनआरसी की शुरुआत की गई थी ताकि 1985 के असम समझौते में किए गए वादे को पूरा किया जा सके। बहरहाल, केंद्र और असम की भाजपा सरकारों ने जिस तरह से इस काम को अंजाम दिया वो आशा के अनुरूप नहीं है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''असम के सभी कोनों से ऐसी खबरें आ रही हैं कि भारतीय नागरिकों को एनआरसी के मसौदे में अपना नाम नहीं मिल रहा है जिससे राज्य में भारी असुरक्षा का भाव है।'' उन्होंने कहा, ''1200 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद यह पूरी प्रक्रिया सुस्त रही। सरकार को इस संकट के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए।''

ईरानी राष्ट्रपति रूहानी से मुलाकात को तैयार हैं डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन-अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि वह किसी भी समय बिना किसी पूर्व शर्त के ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी से मुलाकात करने को तैयार हैं। व्हाइट हाउस में इटली के प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंते के साथ संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, ''मैं मुलाकात में विश्वास रखता हूं, मैं निश्चित तौर पर ईरानी नेता से मिलूंगा, अगर वह मिलना चाहें।''

रूहानी से मुलाकात करने के सवाल पर ट्रंप ने कहा, ''मुझे नहीं पता की वह अभी तैयार हैं या नहीं, अभी वह मुश्किल समय का सामना कर रहे हैं। मैंने ईरान समझौता खत्म कर दिया, वह एक बकवास समझौता था। मेरा मानना है कि वह अंततः मिलना चाहेंगे और मैं उनसे, उनके तय समय पर कभी भी मिलने को तैयार हूं।'' ट्रंप का कहना है कि वह मजबूती दिखाने या कमजोरी की वजह से रूहानी से मिलने को नहीं कह रहे हैं। बल्कि ईरानी नेता से मिलना सही कदम होगा, इसलिए ऐसा कह रहे हैं।

अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह बिना किसी पूर्व शर्त के उनसे मुलाकात करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''कोई पूर्व शर्त नहीं रखी जाएगी। अगर वह मुलाकात करना चाहते हैं, मैं कभी भी उनसे मुलाकात करने को तैयार हूं। यह देश के लिए अच्छा है, उनके लिए अच्छा है, हमारे लिए अच्छा है और पूरी दुनिया के लिए अच्छा है। बिना किसी पूर्व शर्त, अगर वे मिलना चाहते हैं तो मैं मिलूंगा।''

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक-रवि कुमार पोत्दार, 71/74, सुयश विहार, भमोरी दुबे, इन्दौर से प्रकाशित एवं आर्टटेक ग्राफिस, 864/9, नेहरु नगर, इन्दौर म०प्र० से मुद्रीत
प्रधान संपादक-रवि कुमार पोत्दार आर.एन.आई. नम्बर-12782/2003 e-mail- censortimes@ hotmail.com Mob No-9926631707